PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A. BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (14.09.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 14.09.2024, PAGE-10

'सौर ऊर्जा पर शोध की जरूरत'

व्याख्यान

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान विभाग द्वारा शुक्रवार को सौर ऊर्जा का विविध उपयोग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के सीवी रमण हॉल में हुआ।

वक्ता के तौर पर मौजूद झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसके समदर्शी ने कहा कि सौर ऊर्जा के बढ़ते महत्व को देखते हुए इसपर गहन शोध की आवश्यकता है ताकि सस्ती सौर ऊर्जा को आमजन तक सरलतापूर्वक पहुंचाया जा सके। उन्होंने सौर कूकर की चर्चा की और इसमें निहित शोध-संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उपस्थित छात्र-छात्राओं को उन्होंने इस क्षेत्र में शोध के लिए प्रोत्साहित भी किया। संचालन डॉ. कौशल झा और धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ललन कुमार झा ने किया। प्रो. प्रदीप कुमार चौधरी, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. सोनी सिंह, धर्मेन्द्र कुमार महतो, डॉ. सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे। इससे पहले प्रो. संगीता सिन्हा व डॉ. इम्तियाज अनवर ने अतिथियों का स्वागत किया।

छात्रों को करियर बनाने की मिली जानकारी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में शुक्रवार को रीसेंट ट्रेंड्स इन रीन्यूएबल एनर्जी एंड इलेक्ट्रिक विह्कल्स पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। आयोजन इंजीनियर्स इंस्टीच्यूशन इलेक्ट्रिकल चैप्टर की तरफ से किया गया था। मुख्य वक्ता बांका इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शब्बीरुद्दीन थे। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में नवीनतम प्रगति और इनका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के लिए स्थायी ऊर्जा समाधान कितना महत्वपूर्ण है। व्याख्यान ने छात्रों को नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रो. दीपशिखा, प्रो. शहजाद अहसान, डॉ. आभा कुमारी मौजूद रहीं।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR DATE: 14.09.2024, PAGE-10

विवि में बने छह असिस्टेंट रजिस्ट्रार

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में शिक्षकेत्तर कर्मियों के प्रमोशन की अधिसूचना शुक्रवार को जारी की गई। छह कर्मियों का प्रमोशन असिस्टेंट रजिस्ट्रार के पद पर किया गया।

जिनका प्रमोशन हुआ है उनमें वीणा कुमारी, धीरेंद्र कुमार सिंह, पीके सरकार, कुंदन कुमार, अनिल कुमार और प्रभाष कुमार शामिल हैं। इसके अलावा नौ लोग सेक्शन आफिसर बने हैं।

सेक्शन आफिसर बनने वालों में महेंद्र कुमार, विजय कुमार सिंह, तौसीफ हुसैन, अजय कुमार, मोजाहिदुल इस्लाम, विभा कुमारी, दीपेंद्र भारद्वाज, राघवेंद्र कुमार, धर्मेंद्र भूषण हैं। इसके अलावा बीआरबीयू में नरेंद्र कुमार सिंह और राजीव कुमार वाईडब्ल्यूओ बनाये गये हैं। सभी ने वीसी को आभार जताया।

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE : 14.09.2024, PAGE-04

सौर ऊर्जा के विविध उपयोगों की दी जानकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता.

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में सौर ऊर्जा का विविध उपयोग विषय पर एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया. विवि के भौतिकी विभाग के 'सीवी रमण हॉल' में आयोजित कार्यक्रम में बतौर वक्ता झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची के ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो एसके समदर्शी रहे. प्रो संगीता सिन्हा व डॉ इम्तियाज अनवर ने शॉल प्रदान कर उनका स्वागत किया. प्रो समदर्शी ने सौर ऊर्जा के विविध उपयोगों को समझाया. कहा कि सौर ऊर्जा के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर गहन शोध की जरूरत है. उन्होंने सौर कुकर की चर्चा की. इसमें निहित शोध-संभावनाओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला. विभाग में उपस्थित छात्र-छात्राओं को उन्होंने इस क्षेत्र में शोध के लिए प्रोत्साहित किया. संचालन डॉ कौशल झा व धन्यवाद ज्ञापन विवि के भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो ललन झा ने किया. मौके पर प्रो प्रदीप चौधरी, डॉ पिनाकी लाहा, डॉ सोनी सिंह, धर्मेन्द्र महतो, डॉ सुनील समेत अन्य मौजूद थे.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-04

पोर्टल पर मिलेगी हर एक जानकारी

समर्थ पोर्टल

- स्टूडेंट्स को समर्थ पोर्टल पर मिलेगी नामांकन से दीक्षांत तक की पूरी जानकारी
- उच्च शिक्षा विभाग ने की पहल, विवि से नामित किये जाएंगे नोडल पदाधिकारी

<u>वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर</u>

बीआरएबीयू समेत सूबे के विश्वविद्यालयों व इससे संबद्ध कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को नामांकन से लेकर दीक्षांत समारोह तक की पूरी जानकारी एक ही पोर्टल पर उपलब्ध होगी. इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग की ओर से पहल की गयी है. समर्थ पोर्टल पर ये जानकारी स्टूडेंट्स को उपलब्ध करायी जाएगी. इससे छात्रों को अब अलग-अलग वेबसाइट देखने या विश्वविद्यालय व कॉलेज जाकर सूचना लेने के चक्कर से छुटकारा मिलेगा. इस दिशा में कार्य शुरू हो गया है. उच्च शिक्षा निदेशक डॉ रेखा कुमारी ने इसको लेकर विश्वविद्यालय को पत्र भेजा है. कहा है कि समर्थ पोर्टल के संचालन के लिए विवि स्तर पर दो अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी. प्रदेश के सभी पारंपरिक विश्वविद्यालयों की सहमति के बाद राज्य सरकार व समर्थ नई दिल्ली के बीच 15 अप्रैल को एमओयू हुआ था. विभाग की ओर से कहा गया है कि समर्थ पोर्टल का यह उद्देश्य होगा कि उच्च शिक्षा से जुड़ी सभी जानकारी और सूचनाएं एक ही वेब पोर्टल पर उपलब्ध हों. इसपर होने वाला वित्तीय वहन केंद्र सरकार करेगी. स्टूडेंट्स से इसके बदले कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा. समर्थ पोर्टल को लेकर विवि स्तर से एक नोडल अधिकारी और दो एडमिन की जानकारी मांगी गयी है. उनके व्यक्तिगत विवरण से लेकर मोबाइल नंबर व इमेल की जानकारी भी उपलब्ध कराना है. पोर्टल की मॉनीटरिंग मुख्यालय स्तर से की जायेगी.

गलत सूचना के कारण छात्रों को होती है परेशानी

विवि का दायरा सबसे बड़ा है. छह जिलों के स्टूडेंट्स इससे जुड़े हुए हैं. ऐसे में अक्सर छात्र-छात्राओं को फर्जी ग्रुप व वेबसाइट्स पर भ्रमित करने वाली सूचनाएं देकर परेशान किया जाता है. समर्थ पोर्टल की शुरुआत से स्टूडेंट्स को सही व सटीक सूचना मिल पाएगी. साथ ही प्रवेश, परीक्षा व परिणाम की पूरी जानकारी प्राप्त हो सकेगी.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-04

शिक्षक व तकनीक के तालमेल से मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

एमआइटी में फैकल्टी कन्वेंशन सह नेशनल सेमिनार का आयोजन

<u>वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर</u>

शुक्रवार को एमआइटी में कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि.

एमआइटी में दो दिवसीय सेक्शन फैकल्टी कन्वेंशन एंड नेशनल सेमिनार (आइएसटीइ-2024) का शुभारंभ हुआ. अनि द रोल ऑफ एक्रीडिटेशन इन टेक्निकल एजुकेशन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई.

यांत्रिकी विभाग के प्रो इरशाद आलम ने प्रजेंटेशन के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों को दिखाया. इस कन्वेंशन में कुल 18 इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेज के शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया गया. एसएलआइइटी संगरूर पंजाब के मुख्य निदेशक सह मुख्य अतिथि मणिकांत पासवान ने इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मान्यता की जरूरत पर चर्चा की. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी बात की और एमआइटी को एनबीए, एनएसी मान्यता और एनआइआरएफ रैंकिंग लाने के लिए दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने भविष्य में एमआइटी के साथ एमओयू साइन करने की बात कही. बीआरएबीयू के कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने संस्थान को और बेहतर बनाने के सुझाव दिए. उन्होंने शिक्षकों व तकनीक के बीच तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला.

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का दिया गया पुरस्कार : एमआइटी के प्राचार्य डॉ एमके झा ने सभी अतिथियों, समन्वयकों और प्रतिभागियों का स्वागत और धन्यवाद किया. आईएसटीई एग्जीक्यूटिव काउंसिल सदस्य (बिहार और झारखंड सेक्शन) और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व छात्र प्रो अनिल कुमार ने ब्रेन ड्रेन पर चर्चा की. उन्होंने शोध, नवाचार व रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित कराया. कहा कि नयी तकनीक रोजगार के नये अवसर प्रदान कर रही है. छात्रों को चाहिये कि वे अपने हुनर को तराशें और इंडस्ट्री की मांग के मुताबिक अपने को तैयार करें. लगातार ज्ञान व स्किल को अपडेट कर नयी संभावनाओं की ओर अग्रसर हों.

इन शिक्षकों को किया गया सम्मानित

सेंट्रल युनिवर्सिटी ऑफ झारखंड रांची के डॉ संजय कुमार समदर्शी, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज बक्सर के डॉ राम नरेश राय, दरभंगा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डॉ चंदन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर की डॉ कुमारी नम्रता, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सिंदरी, धनबाद की डॉ चैतन्य शर्मा, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज पलामू, झारखंड के डॉ विनीत शेखर, लोकनायक जय प्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी छपरा के डॉ अभिषेक शर्मा, एमआइटी के डॉ आशीष श्रीवास्तव, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज बांका के डॉ शब्बीरुद्दीन, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज औरंगाबाद के डॉ प्रशांत मणि, मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डॉ सूर्य देव चौधरी, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, जमुई के डॉ बिमल कुमार, ब्रज किशोर नारायण सिंह राजकीय पॉलिटेक्निक, गोपालगंज के डॉ विशाल सक्सेना, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा के डॉ प्रवीण मिश्रा, भागलपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डॉ बब्लेश झा, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज समस्तीपुर की डॉ वैशाली, गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस झारखंड की अपूर्वा सिन्हा, न्यू गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक पटना की विनीता शामिल हैं.

बुनियादी आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार करने पर दिया जोर : एनबीए से मान्यता के लिए बुनियादी आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया. गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी झारखंड के निदेशक डॉ प्रियदर्शी सरिता, आईएसटीई बिहार के एडिशन सेक्रेटरी इकरार आलम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. कार्यक्रम के आयोजक अध्यक्ष सिविल के एचओडी डॉ अमरेश कुमार राय और आयोजक सचिव मैकेनिकल के एचओडी डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव थे. इस आयोजन में कुल 18 इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया गया.

DAINIK JAGRAN MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-06

पीजी इलेक्ट्रानिक्स विभाग में सेमिनार का आयोजन

मुजफ्फरपुर : विश्वविद्यालय के पीजी इलेक्ट्रानिक्स विभाग में शुक्रवार को सौर्य ऊर्जा का विविध उपयोग पर व्याख्यान हुआ। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के प्रो.एसके समदर्शी ने विचार रखे। उन्होंने सौर्य कूकर की चर्चा की। छात्र-छात्राओं को इस क्षेत्र में शोध के लिए प्रोत्साहित किया। संचालन डा.कौशल झा व धन्यवाद ज्ञापन भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो.ललन कुमार झा ने किया। (जासं)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-06

इंजीनियरिंग में मिले रोजगार के अवसर

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : विज्ञान, प्रावैधिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त सचिव इफ्तार आलम ने कहा कि इंजीनियरिंग कालेजों में छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन की सुविधाओं में बढ़ोतरी करने के साथ उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। इंजीनियरिंग कालेजों में नामांकन में आ रही कमी पर चिंता जताई। कहा कि संस्थान छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराए। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए आगे आने की अपील की। वह शुक्रवार को एमआइटी में 9वें रिजनल आइएसटीई सेक्शन फैकल्टी कन्वेंशन और तकनीकी शिक्षा में एक्रेडिटेशन की भूमिका विषय पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग व पालीटेक्निक के 18 शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया गया। एसएलआइइटी संगरूर पंजाब के निदेशक मणिकांत पासवान ने पालीटेक्निक व इंजीनियरिंग कालेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मान्यता की आवश्यकता पर चर्चा की। कहा कि एमआइटी के साथ एमओयू किया जाएगा। इसका फायदा यहां के विद्यार्थियों को मिलेगा।

एमआइटी में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में बुकलेट का लोकार्पण करते कुलपति प्रो.डीसी राय (दाएं से तीसरे) • जागरण

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय ने संस्थान को बेहतर बनाने का सुझाव दिया। शिक्षकों व तकनीक के बीच तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एमआइटी के प्राचार्य डा.एमके झा ने सभी अतिथियों, समन्वयकों व प्रतिभागियों का स्वागत और धन्यवाद किया। प्रो.अनिल कुमार ने ब्रेन ड्रेन पर चर्चा की और शोध, नवाचार व रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। डा.प्रियदर्शी हर्षित ने कहा बदलाव जरूरी है। ऐसा नहीं होता है तो हम पिछड़ जाएंगे। संस्थान की उपलब्धियों पर प्रो.इमदाद आलम ने पीपीटी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एमआइटी के शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

छात्रों की कम उपस्थिति पर उठाए सवाल : कार्यक्रम में पहुंचे डीएसटीटीई के अतिरिक्त सचिव ने छात्र-छात्राओं की कम उपस्थिति पर सवाल उठाए। कहा कि संस्थान छात्र-छात्राओं के लिए ही है। हर संस्थान छात्र-छात्राओं से ही जाना जाता है। ऐसे में उन्हें संस्थान और कार्यक्रम से जोड़ने की जरूरत है। सभी संसाधन, शिक्षक-शिक्षिका समेत सभी व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए ही है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-06

नामांकन व दीक्षा की सूचना देगा समर्थ

दो अधिकारी बनेंगे बीआरएबीयू में नोडल, उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब छात्र-छात्राओं को नामांकन से लेकर दीक्षा समारोह समेत अन्य सभी सूचनाएं व जानकारियां समर्थ पोर्टल पर हासिल हो सकेंगी। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में समर्थ पोर्टल पर सभी सूचनाएं मिलेंगी। इसके लिए राज्य स्तर पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एक ही पोर्टल पर सभी प्रकार की सूचनाएं मिलेंगी। उच्च शिक्षा निदेशक ने इसको लेकर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार समेत अन्य को पत्र भेजा है। कहा गया है कि समर्थ पोर्टल के संचालन के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर दो अधिकारियों को नोडल बनाया जाए। साथ ही इसकी सूचना विभाग को दी जाए। विभाग की ओर से कहा गया है कि राज्य के सभी पारंपरिक विश्वविद्यालयों की सहमति के बाद राज्य सरकार की ओर से 15 अप्रैल को समर्थ नई दिल्ली से एमओयू किया था। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा से जुड़ी हर जानकारी एक ही वेब पोर्टल पर उपलब्ध कराना था। इसे भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से विश्वविद्यालय में निःशुल्क लागू किया जाना है।

- एक ही पोर्टल पर सभी प्रकार की जानकारी से अवगत होंगे विद्यार्थी
- परीक्षा फार्म भरने से लेकर रिजल्ट प्रकाशन की भी मिलेगी जानकारी

एक नोडल और दो अधिकारी की देंगे जानकारी : समर्थ पोर्टल के लिए विश्वविद्यालय के स्तर से एक नोडल अधिकारी और दो एडमिन की जानकारी भेजनी है। उनका मोबाइल नंबर व ई-मेल की जानकारी भी विभाग को दी जाएगी। अधिकारियों का आधार भी भेजा जाएगा। इसकी मुख्यालय स्तर से मानीटरिंग की जाएगी। नई व्यवस्था लागू होने के साथ ही छात्र-छात्राओं को सहूलियत होगी। एक ही पोर्टल पर परीक्षा फार्म भरने से लेकर रिजल्ट के प्रकाशन व अन्य सभी जरूरी सूचनाएं मिल जाएंगी।

राज्य सरकार विश्वविद्यालयों को देगा मानव बल

समर्थ व्यवस्था को बेहतर तरीके से विश्वविद्यालयों में लागू करने के लिए राज्य सरकार की ओर से मानव बल उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय को समस्या नहीं होगी। अगर कोई शिक्षक कंप्यूटर की जानकारी नहीं है तो इसके लिए भी राज्य सरकार से व्यवस्था की जा रही है। विश्वविद्यालयों में पहले से कार्य कर रही व्यवस्था को बदला नहीं जाएगा। अगर कोई संस्था या एजेंसी पहले से विश्वविद्यालय में कार्य कर रही तो एपीआइ से समर्थ से जुड़ जाएगी। अपनी पूर्व व्यवस्था का डाटा अगर विश्वविद्यालय अपडेट करता है तो समर्थ पर भी अपडेट हो जाएगा।

रिजल्ट जारी करते हुए सीधे डिजिलाकर में आएगा सर्टिफिकेट : उच्च शिक्षा विभाग की मानें तो छात्र-छात्राओं को नामांकन के लिए आवेदन, नामांकन, परीक्षा फार्म भरना, रजिस्ट्रेशन, डिग्री, प्रोविजनल समेत अन्य कार्यों के लिए अलग-अलग और विभिन्न पोर्टलों पर आवेदन करना होता है। इससे उनकी परेशानी बढ़ जाती है। नई व्यवस्था से अब परिणाम जारी होने के बाद ही छात्र-छात्राओं का सर्टिफिकेट सीधे-सीधे डिजिलाकर में चला जाएगा। रिजल्ट भी उसमें भेज दिया जाएगा। सीबीएसई ने 46 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं का परिणाम डिजिलाकर में जारी कर दिया। प्रदेश में छात्र-छात्राओं के लिए डिग्री से लेकर अंकपत्र हासिल करने के बड़ी समस्या है। छात्र-छात्राओं को कालेजों का चक्कर लगाना पड़ता है। उन्हें अपने आधार कार्ड से लिंक करते हुए बनाए गए डिजिलाकर में ही अंकपत्र हासिल हो जाएगा। समर्थ की व्यवस्था 11 राज्यों समेत 40 केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचालित हो रही है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-06

स्नातक से लेकर पीजी में हिंदी पढ़ने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ी

हिंदी दिवस पर विशेष

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : वर्ष 2016 की बात है। उत्तर बिहार में शताब्दि वर्षों से शिक्षा की अलख जगा रहे लंगट सिंह कालेज के हिंदी विभाग में स्नातक में नामांकन कराने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या घटकर करीब 30 के आसपास पहुंच गई थी। नए सत्र में नामांकन के लिए काफी कम संख्या में आवेदन आए थे। उस वक्त [illegible] ने इसे हिंदी जैसे विषयों से युवाओं के विलगाव के तौर पर देखा। वक्त ने करवट ली। हिंदी से दूर चले गए विद्यार्थी एक बार फिर साहित्य से जुड़े। इस वर्ष लंगट सिंह महाविद्यालय में हिंदी से स्नातक में नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 256 है। यह स्थिति एक कालेज की नहीं, बल्कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कालेजों से लेकर पीजी विभागों में हिंदी पढ़ने वालों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। पिछले पांच से छह वर्षों में हिंदी की पढ़ाई करने वालों की संख्या में तीन गुना बढ़ी है। इस वर्ष स्नातक में केवल हिंदी में नामांकन कराने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 22,422 है। यह संख्या 2019 में सात हजार से अधिक थी। इसी तरह हिंदी विषय से पीजी की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 2018 में 301 थी। इस वर्ष पीजी में हुए दाखिले के अनुसार इसकी संख्या बढ़कर 906 है। आने वाले वर्षों में स्नातक से लेकर पीजी के लिए हिंदी में यह संख्या और बढ़ेगी। विश्वविद्यालय स्तर से सीटों की बढ़ोतरी का भी प्रस्ताव है। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के मानविकी संकायाध्यक्ष डा. सतीश कुमार राय ने बताया कि हिंदी में होने वाले गुणवत्तापूर्ण शोध में वृद्धि हुई है। हर वर्ष यहां से करीब 60 शोध प्रकाशित हो रहे हैं।

पिछले वर्षों में स्नातक में हुए नामांकन का आंकड़ा

2018 - 7500	2022 - 15330
2020 - 9986	2023 - 17704
2021 - 12386	2024 - 24422

पिछले वर्षों में पीजी में हुए दाखिले

2018 - 301	2021 - 511
2019 - 391	2022 - 634
2020 - 490	2023 - 906

- राष्ट्रभाषा हिंदी से जुड़ रही युवा पीढ़ी, इस वर्ष स्नातक में 24,422 छात्र-छात्राओं ने लिया नामांकन
- छात्र-छात्राओं की बढ़ती संख्या के बाद अब सीटों में बढ़ोतरी का दिया गया प्रस्ताव

समाज विज्ञान के विमर्शों को समझने की हो रही कोशिश

हिंदी में शोध परंपरा में बदलाव हो रहा है। विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि समाज विज्ञान की सैद्धांतिकियों को आधार [illegible] के आधार पर विश्लेषित किया जाता था। अब साहित्य के आधार पर उन विमर्शों को समझने की कोशिश की जा रही है। इसलिए मौजूदा परिवेश में उपन्यास व कहानी सबसे महत्वपूर्ण [illegible] होकर उभरी है। इस आधार पर समाज की संरचना, सामाजिक समूहों के आपसी संबंध व पूरे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अलग-अलग समूहों की सहभागिता में साहित्य के लोग साहित्य के जरिए विमर्श करने लगे हैं। समाज विज्ञान के लोग साहित्य को संकेत मानकर विमर्शों में इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

इंजीनियरिंग की किताबें भी हिंदी माध्यम में हो रहीं तैयार

हिंदी माध्यम में ही छात्र-छात्राओं को तकनीकी विषयों की पढ़ाई करने में कोई परेशानी न हो इसके लिए हिंदी में ही इंजीनियरिंग-मेडिकल की किताबें तैयार कराई जा रही हैं। इंजीनियरिंग के लिए फर्स्ट ईयर की किताबें हिंदी में तैयार हो गई हैं। [illegible] ने बताया कि फर्स्ट ईयर की किताबें तैयार हुई हैं। इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। पूर्व में [illegible] की ओर से इंजीनियरिंग की पुस्तकें हिंदी में तैयार करने का निर्देश दिया गया था।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-02

समर्थ पोर्टल से जुड़ेगा बिहार विवि सभी सूचनाएं मिलेंगी ऑनलाइन

उच्च शिक्षा निदेशक के निर्देश के बाद प्रक्रिया हुई शुरू

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय जल्द ही समर्थ पोर्टल से जुड़ेगा। इस पोर्टल पर छात्र-छात्राओं को नामांकन से लेकर दीक्षांत समारोह तक के अलावा विश्वविद्यालय से जुड़ी सभी सूचनाएं और जानकारी मिलेगी। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को समर्थ पोर्टल से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए राज्य स्तर पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। समर्थ पोर्टल के लिए विश्वविद्यालय के स्तर से एक नोडल अधिकारी और दो एडमिन का नाम मांगा गया है। उनके मोबाइल नंबर के साथ-साथ ईमेल और आधार नंबर की जानकारी भी विभाग को दी जाएगी। इस पोर्टल की मुख्यालय स्तर से मॉनिटरिंग की जाएगी। नई व्यवस्था लागू होने के साथ ही छात्र-छात्राओं को काफी सहूलियत होगी। विश्वविद्यालय के इससे जुड़ने के बाद एक ही पोर्टल पर परीक्षा फॉर्म भरने से लेकर रिजल्ट के प्रकाशन और अन्य सभी जरूरी सूचनाएं मिल जाएंगी। उच्च शिक्षा निदेशक ने इसके लिए बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार समेत अन्य को पत्र भेजा है। कहा गया है कि समर्थ पोर्टल के संचालन के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर दो अधिकारियों को नोडल बनाया जाए। साथ ही इसकी सूचना विभाग को दी जाए। राज्य के सभी पारंपरिक विश्वविद्यालयों की सहमति के बाद राज्य सरकार की ओर से 15 अप्रैल को समर्थ नई दिल्ली से एमओयू किया गया था। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा से जुड़ी हर जानकारी एक ही वेब पोर्टल पर उपलब्ध कराना था। इसे भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से विश्वविद्यालय में निःशुल्क लागू किया जाना है। इस पोर्टल से सभी विश्वविद्यालयों के जुड़ने के बाद छात्रों को आसानी से किसी भी विश्वविद्यालय की जानकारी हासिल हो सकेगी।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE:14.09.2024, PAGE-02

एकल व्याख्यान का आयोजन

सौर ऊर्जा को आमजन तक पहुंचाने को शोध की जरूरत

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

विश्वविद्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान विभाग की ओर से शुक्रवार को सौर ऊर्जा का विविध उपयोग विषय पर एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। भौतिकी विभाग के सीवी रमण हॉल में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसके समदर्शी थे। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद प्रो. संगीता सिन्हा ने प्रो. समदर्शी को पुष्पगुच्छ देकर व डॉ. इम्तियाज अनवर ने शॉल प्रदान कर स्वागत किया।प्रो. समदर्शी ने सौर ऊर्जा के विविध उपयोगों को समझाते हुए कहा कि इसके बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर गहन शोध की आवश्यकता है। शोध के बाद ही सस्ती सौर ऊर्जा आमजन तक सरलतापूर्वक पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने सौर कुकर की चर्चा की और इसमें शोध-संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्र- छात्राओं को भी इस क्षेत्र में शोध के लिए प्रोत्साहित भी किया। संचालन डॉ. कौशल झा व धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ललन कुमार झा ने किया। मौके पर प्रो. प्रदीप कुमार चौधरी, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. सोनी सिंह, धर्मेंद्र कुमार महतो, डॉ. सुनील कुमार सहित दोनों विभागों के स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE 14.09.2024, PAGE-02

इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलीटेक्निक के 18 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

एमआईटी में दो दिवसीय आईएसटीई फैकल्टी कन्वेंशन का आयोजन : पहले दिन संगोष्ठी में टेक्निकल एजुकेशनल पर हुई चर्चा, आज होगा समापन

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

एमआईटी में शुक्रवार को 2 दिवसीय आईएसटीई सेक्शन फैकल्टी कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इसमें इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलीटेक्निक के 18 शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार दिया गया। इस दौरान रोल ऑफ एक्रेडिटेशन इन टेक्निकल एजुकेशन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भी हुई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद संस्थान की उपलब्धियों का प्रजेंटेशन फिजिक्स विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. इरशाद आलम ने किया। मुख्य अतिथि एसएलआईईटी (संगरूर, पंजाब) के निदेशक मणिकांत पासवान ने इंजीनियरिंग और पॉलीटेक्निक कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मान्यता की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भी बात की। साथ ही एमआईटी को एनबीए और एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए सुझाव भी दिए। उन्होंने भविष्य में एमआईटी के साथ एमओयू साइन करने की बात कही। बीआरए बिहार विवि के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने संस्थान को और बेहतर बनाने के सुझाव दिए और समय के सही उपयोग पर जोर दिया। एमआईटी के प्राचार्य प्रो. एमके झा ने सभी अतिथियों, समन्वयकों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तार से जानकारी दी। आईएसटीई एग्जीक्यूटिव काउंसिल सदस्य व सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व छात्र प्रो. अनिल कुमार ने ब्रेन ड्रेन पर चर्चा की।

एमआईटी में नेशनल फैकल्टी कन्वेंशन का उद्घाटन करते अतिथि।

उन्होंने शोध, नवाचार व रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। एनबीए मान्यता के लिए बुनियादी आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया। गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी झारखंड के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी डीहर ने कहा कि बदलाव जरूरी है, नहीं तो हम पिछड़ जाएंगे। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड टेक्निकल एजुकेशन के एडिशनल सेक्रेटरी इफ्तार आलम ने सभी फैकल्टी सदस्यों को शोध और थीसिस कार्य की गुणवत्ता में सुधार करने का सुझाव दिया। आयोजक अध्यक्ष सिविल के एचओडी डॉ. अनोज कुमार राय और आयोजक सचिव मैकेनिकल के एचओडी डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव थे।

इन्हें मिला सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार

- डॉ. संजय कुमार सम्दर्शी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी रांची
- डॉ. रामनेश राय, जीईसी बक्सर
- डॉ. चंदन कुमार, दरभंगा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग
- डॉ. कुमारी नग्मा, एनआईटी जमशेदपुर
- डॉ. चैतन्य शर्मा, बीआईटी सिंदरी (धनबाद)
- डॉ. विनीत शेखर, जीईसी पलामू (झारखंड)
- डॉ. अभिषेक शर्मा, लोकनायक जयप्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी छपरा
- डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव (एमआईटी)
- डॉ. शम्सीरुद्दीन, जीईसी बांका
- डॉ. प्रशांत मणि, जीईसी औरंगाबाद
- डॉ. सूर्य देव चौधरी, मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग
- डॉ. विमल कुमार, जीईसी जमुई
- डॉ. विशाल सक्सेना, ब्रजकिशोर नारायण सिंह राजकीय पॉलीटेक्निक गोपालगंज
- डॉ. प्रवीण मिश्रा, बीआईटी मेसरा (रांची)
- डॉ. ब्रजेश कुमार झा, भागलपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग
- डॉ. वैशाली, जीईसी समस्तीपुर
- अपूर्व सिन्हा, गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस झारखंड
- विनीता, न्यू गवर्नमेंट पॉलीटेक्निक पटना-13।